प्रेस विज्ञप्ति

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के **13 वें दीक्षांत समारोह** का आयोजन आज दिनांक **23 दिसम्बर, 2017** को साईंटिफिक कंवेशंन सेण्टर में भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **पद्म भूषण प्रो0 बी0एम0 हेगड़े**, चेयरमेन वर्ल्ड एकेडमी ऑफ ऑर्थेटिक हीलिंग साइंसेज, मैंगलुरू, कर्नाटक, कार्यक्रम अध्यक्ष **श्री रामनाईक जी,** मॉननीय कुलाधिपति व राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के मॉननीय कुलपति **प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट** जी उपस्थित रहे। प्रो0 बी0एम0 हेगड़े द्वारा एम0बी0बी0एस0 की डिग्री स्टेनली मेडिकल कॉलेज मद्रास एवं एम0डी0 की डिग्री किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय से प्राप्त किया गया है तद्परान्त प्रो0 हेगडे द्वारा रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन, लण्डन, ग्लासगो, इडिनबर्ग से एफ0आर0सी0पी0 की डिग्री प्राप्त की गई।

13 वें दीक्षांत समारोह के सुअवसर पर **प्रो0 सुधीर गुप्ता**, प्रोफेसर मेडिसिन, पैथोलॉजी एण्ड लैबोरेटरी मेडिसिन, माइक्रोबायोलॉजी एण्ड मालेक्यूलर जेनेटिक्स, प्रमुख बेसिक एण्ड क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी तथा **प्रो0 जी0के0 रथ,** प्रमुख, नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट, द्वितीय कैम्पस एम्स, झज्जर, हरियाणा को डी0एस0सी0 की मानद उपाधि प्रदान की गई। इस सुअवसर पर एम0बी0बी0एस0 के कुल **31 एवं बी0डी0एस0 के 3 मेधावी** विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा गया जिसमें अपराजिता चतुर्वेदी को ''हीवेट'' गोल्ड मेडल, चांसलर मेडल एवं यूनिवर्सिटी ऑनर्स मेडल से नवाजा गया। उपरोक्त कार्यक्रम में प्रो0 एम0के0 मित्रा, सेवा निवृत्त प्रोफेसर, मेडिसिन विभाग को **''डॉ0 के0बी0 भाटियां मेमोरियल''** गोल्ड मेडल द्वारा लाईफ टाइम अचिवमेण्ट सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के शुभारम्भ में **मा0 कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट** द्वारा स्वागत सम्बोधन प्रस्तुत किया गया। मा0 कुलपति जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा उत्तर प्रदेश के सारे राजकीय मेडिकल कॉलोजो को संबद्ध किया जा रहा है तथा पहले से ही डॉ0 राम मनोहर लोहिया इस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, विवेकानंद एवं कमाण्ड अस्पताल आदि को संबद्धता दी जा चूकी है। इसके अलावा 10 नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कालेजो को सम्बद्धता प्रदान किया जा चुका है। उपरोक्त कार्य बहुत ज्यादा बढ़ गया है इसलिए विश्वविद्यालय में एक बड़े स्तर पर संबद्धता इकाई की जरूरत है। इन सारे मेडिकल, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेजो की परीक्षाएं सम्पन्न कराने हेतु परीक्षा इकाई को और सुदृढ़ करने की अवश्यकता है। इसके लिए धन और श्रम शक्ति की आवश्यकता पड़ेगी। विश्वविद्यालय के समुचित विकास एवं विस्तार के लिए एक नए कैम्पस की शीघ्र ही नितांत अवश्यकता है। चिकित्सा विश्वविद्यालय मे दो नए संकाय नर्सिंग संकाय एवं पैरामेडिकल संकाय एवं सेंटर फार एडवांस रिसर्च के लिए एवं विभिन्न संकायो के सदस्यों के लिए आवास आदि की सुविधा भी उपलब्ध कराने हेतु नए कैम्पस की नितांत अवश्यकता है। यह बड़े ही हर्ष का विषय का है कि देश में स्थापित 1000 विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में चिकित्सा विश्वविद्याल को उन 32 शैक्षणिक संस्थानों मे शामिल किया गया है जिनमे से 10 को इस्टीट्यूट ऑफ इमिनेंस दिया जायेगा। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय को नैक द्वारा ग्रेड 'ए' की मान्यता प्रदान की गई है तथा विश्वविद्यालय के माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग को 19 दिसंबर को एन0ए0बी0एल0 की मान्यता प्रदान की गई जिससे अब चिकित्सा विश्वविद्याल के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा की जाने वाली जांचो को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल जाएगी। इससे पहले बायोकेमिस्ट्री विभाग को भी एन0ए0बी0एल0 द्वारा मान्यता प्रदान की जा चुकी है। इसके अलावा स्पोर्ट्स मेडिसिन विभाग सहित विभिन्न नये विभागों की स्थापना की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 बी0एम0 हेगड़े द्वारा मेडल पाने वाले विद्यार्थियों को अपना आर्शीवाद प्रदान किया गया। प्रो हेगड़े ने कहा कि चिकित्सा विश्वविद्याल के होनहार विद्यार्थियों द्वारा इस संस्थान का नाम विदेशों में भी रोशन किया गया है। यह सफलता आप लोगों के अथक परीश्रम का ही फल है। आप जीवन में और तरक्की पाएं ये हमारी शुभ कामना है। आप लोगो की इस उपलब्धि में आपके शिक्षको एवं अभिभावकों का भी अहम योग दान है। आज आप को लाईसेंस मिल गया कि आप लोग जीवन में और ज्यादा शिखें, ज्यादा शोध करें।

कार्यक्रम में मा0 कुलाधिपति श्री राम नाईक जी द्वारा मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की घोर प्रशंसा की गई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। मा0 कुलाधिपति महोदय ने कहा कि चिकित्सा का व्यवसाय एक महान व्यवसाय है। इस व्यवसाय के माध्यम से आप लोग गरीब मरीजों एवं समाज की सेवा कर सकते है। जीवन सफलता कठिन एवं सतत प्रयत्न से प्राप्त की जा सकती है। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय का देश के साथ विदेशों में भी काफी नाम है। 1912 से जिस प्रकार यह संस्थान विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं मरीजो को आकर्षित कर रहा वह काबिले तारीफ है। आज का दिन आप सबके लिए काफी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में डॉ0 सुधीर गुप्ता, प्रो0 जी0के0 रथ ने मानद उपाधि को ग्रहण कर हमारे मान को बढ़ाया है। आज जब हम महिला शसक्तीकरण की बात करते है तो आज का यहा का दृश्य देख कर हमे पूर्णतः यकिन हो गया है कि भारत की महिलाए अब शसक्त हो गई है। आज हर क्षेत्र में महिलाओं का योगदान है।

कार्यक्रम में श्री रजेश कुमार रॉय, कुलसचिव, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्याल द्वारा डिग्री कन्फर्ड इन अब्सेसिंया को ग्रहण किया गया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तु किया गया।

डायस पर विद्यमान महानुभावों में श्री रामनाईक जी, कुलाधिपति एवं राज्यपाल उ0प्र0, प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट, कुलपति, प्रो0 बी0एम0 हेगड़े, प्रो0 वीनिता दास, अधिष्ठा, चिकित्सा संकाय, प्रो0 मधुमति गोयल, अधिष्ठाता नर्सिंग संकाय, प्रो0 शादाब मोहम्मद, अधिष्ठाता दंत संकायय, प्रो0 विनोद जैन, अधिष्ठाता पैरामेडिकल संकाय उपस्थित रहे।

प्रेस विज्ञप्ति .2

प्रो0 हेगड़े ने प्रातः 11 बजे चिकित्सा विश्वविद्यालय के कलॉम सेण्टर में सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन चर्या अपनाने पर किसी भी रोग में, किसी भी प्रकार की सर्जरी यहां तक न्यूरो सर्जरी आदि में भी रिकवरी तेज होती है। कोरोनरी ब्लॉकेज और कोरोनरी की बीमारी दोनो अलग होते है। किन्तु ज्यादा तर डॉक्टर इसमे अंतर नही करते और मरीज की सर्जरी या एंजियोप्लास्टि कर देते है। हेल्दी लाईफ स्टाइल से कोरोनरी ब्लाकेज कम होती है। विश्व मे जितने भी कैंसर होते उनमे से 73 प्रतिशत कैंसर एल्कोहल एवं तम्बाकू के सेवन के कारण होते है। सभी प्रकार के कास्मेटिक उत्पाद यहां तक की शैम्पु, लिपिस्टिक, टूथ पेस्ट आदि भी कैंसर को बढ़ाने में कारगर होते है। उत्साह पूर्व कार्य करने को ही स्वास्थ कहते है। खुद को खुश रखें तथा दूसरे को भी खुश रखें। मानव शरीर 123 बिलियन सैल्स की कालोनी है। जब आप दूसरे किसी से घृणा करते है तब आप अपना इम्यून सिस्टम को कमजोर करते है। किसी भी प्रकार का स्टेरायड, केमिकल को लेने पर हमारे लिवर का क्रिया कलाप पूरी तरह से बदल जाता है। इसलिए किसी भी प्रकार के एल्कोहेल का सेवन ना करें। चिकित्सक अस्पतालों में मरीज के स्वास्थ को नही देखते वो केवल मरीज की बीमारी को देखते है इसलिए रिकवरी स्लो होती है। विद्यार्थियों के शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए गुरूकुल प्रथा जीतना उपयोगी है उतना आज की स्कूलों मे स्लाईड के माध्यम से पढ़ायें जाने वाले पाठ नही। विद्यार्थियों का मानसिक विकास होना चाहिए न कि उन्हे यंत्र बनाना है। शरीर कार्य करने के लिए बना है इसलिए इससे कठिन परिश्रम करना चाहिए। दूसरे से इर्ष्या न करें अपने कार्य के प्रति प्रेम रखें। अपने भौगोलिक वातावरण में उगने वाले फल, सब्जियों आदि का सेवन करे। शुगर स्वास्थ के लिए बहुत हानिकारक है इसलिए शुगर का सेवन न करे। यदि हम होमियोंपैथीक मेडिसिन को प्लासिबों कहते है तो माडर्न मेडिसिन भी प्लासिबों है क्यूकी इसके माध्यम से हम मरीजो को ठीक नही कर सकते है। मरीजो को विश्वास से ठीक किया जा सकता है। रिनल फेलुअर होने पर मार्डन मेडिसिन में चिकित्सकों द्वारा डायलिसिस किया जाता है अंत गुर्दा ट्रांस्लांट कर दिया जाता है जबकि होमियोपैथ, आयुर्वेदा एवं शिद्धा, युनानी आदि में विभिन्न मेडिसिन है।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)
संकाय मीडिया प्रभारी, मीडियासेल
के0जी0एम0यू0

(प्रो0 विभा सिंह)
संकाय मीडिया प्रभारी, मीडिया सेल
के0जी0एम0यू0

(डॉ0 सुधीर सिंह)
सह-संकाय मीडिया प्रभारी मीडियासेल
के0जी0एम0यू0